इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *250

14 मार्च, 2013 को उत्तर के लिए

पर्यावरणीय स्वीकृति में विलम्ब के कारण लौह अयस्क खानों में उत्पादन कम होना

*250. श्री एस. थंगावेलु:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड को पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान किए जाने में विलंब के कारण ओडिशा और झारखण्ड में अपनी लौह अयस्क खानों से उत्पादन में कमी करने के लिए विवश होना पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इससे स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के झारखण्ड स्थित बोकारो संयंत्र और पश्चिमी बंगाल में बर्नपुर स्थित समेकित इस्पात संयंत्र में कच्चे माल की कमी हो जायेगी; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

****

"पर्यावरणीय स्वीकृति में विलम्ब के कारण लौह अयस्क खानों में उत्पादन कम होना" के बारे में श्री एस. थंगावेलु, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 14.03.2013 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *250 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): पर्यावरण संबंधी मंजूरियां नहीं मिलने के कारण मार्च, 2009 से सेल की सुकरी लातूर खान, जून, 2011 से गुआ खान बंद हैं, वर्ष 2011-12 और 2012-13 के दौरान बोलानी खानों को लगभग 90 दिन के लिए तथा धोबिल खान को 5 महीने के लिए बीच में ही बंद करना पड़ा।

(ग) और (घ): जी, नहीं। हालांकि उपर्युक्त खानों के बंद हो जाने से सेल के संयंत्रों के लिए वर्ष 2011-12 के उत्तरार्ध में लौह अयस्क की सप्लाई में कुछ कमी आई थी लेकिन कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड (केआईओसीएल) के माध्यम से सेल की खानों से निकलने वाले लौह अयस्क के चूरे को पैलेट में परिवर्तित करके लौह अयस्क की सप्लाई में आई इस कमी को दूर कर दिया गया था। इसके अतिरिक्त, अन्य खानों में उत्पादन बढ़ा कर तथा बोलानी खान खुल जाने से स्थिति सामान्य हो गई है।

****